Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5197 **K**

Unique Paper Code : 2132101102

Name of the Paper : Classical Sanskrit Poetry, DSCC-2

Name of the Course : **B.A. (Honours.) SANSKRIT, NEP-UGCF-2022**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks :9

Instructions for Candidates

1. Write your roll no. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskr or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout th paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न- पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों का अनुवाद कीजिए: 2×6=12
Translate any **two** of the following verses:

(i) प्रसह्य मणिमुद्धरेन्मकरवक्त्रदंष्ट्रान्तरा-
त्समुद्रमपि सन्तरेत्प्रचलदूर्मिमालाकुलम्।
भुजङ्गमपि कोपितं शिरसि पुष्पवद्धारये-
न्न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्।।

(ii) तथा समक्षं दहता मनोभवं पिनाकिना भग्नमनोरथा सती।

(iii) क्रियासु युक्तैर्नृपचारचक्षुषो न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।।

(iv) व्यालं बालमृणालतन्तुभिरसौ रोद्धुं समुज्जृम्भते
छेत्तुं वज्रमणीञ्छिरीषकुसुमप्रान्तेन संनह्यते।
माधुर्यं मधुबिन्दुना रचयितुं क्षाराम्बुधेरीहते
नेतुं वाञ्छति यः खलान्पथि सतां सूक्तैः सुधास्यन्दिभिः।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 2×9=18
Explain with reference to the context of any **two** of the following:

(i) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन्नपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं पशूनाम्।।

(ii) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां शशाक मेना न नियन्तुमद्यमात्।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतिपयेत्।।

(iii) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।।

(iv) निरत्ययं साम न दानवर्जितं न भूरि दानं विरहय्य सत्क्रियाम्।
प्रवर्तते तस्य विशेषशालिनी गुणानुरोधेन विना न सत्क्रिया।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **एक** की संस्कृत में व्याख्या कीजिए: 9
Explain any **one** of the following in Sanskrit:

(i) वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः।

(ii) विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपातः शतमुखः।

(iii) न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते।

. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3×12=36
Answer any **three** of the following:

(i) नीतिशतक के अनुसार 'मूर्खपद्धति' का वर्णन कीजिए।
Explain 'मूर्खपद्धति' according to Nitishatakam.

अथवा/OR

नीतिशतक में वर्णित नैतिक शिक्षा वर्तमान समाज के लिए अत्यधिक उपयोगी है - इस कथन का परीक्षण कीजिए।
The moral education described in Nitishatakam is very useful to the present society – Examine this statement.

अथवा/OR

(ii) कुमारसंभवम् के पञ्चम सर्ग के पठित अंश के आधार पर पार्वती के गुणों का वर्णन कीजिए।
Describe the virtues of Parvati on the basis of the mentioned text of the fifth canto of Kumarsambhavam.

अथवा/OR

कुमारसंभवम् के पंचम सर्ग के पठितांश के अनुसार पार्बती की तपस्या का वर्णन कीजिए।
Describe the penance of Parvati according to the mentioned text of the fifth canto of the Kumarsamabhavam.

(iii) किरातार्जुनीयम् के प्रथम सर्ग के अनुसार वनेचर की उक्ति को अपने शब्दों में लिखिए।
Write the statement of Vanechara according to the First Canto of the Kiratarjuniyam in your own words.

अथवा/OR

'भारवेरर्थगौरवम्' - कथन की समीक्षा कीजिए।
Examine the statement - 'भारवेरर्थगौरवम्'.

5. संस्कृत महाकाव्यों के उद्भव और विकास की विवेचना कीजिए। 15
Describe the origin and development of Sanskrit Mahakavya.

अथवा/OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए:
Write detailed notes on any **two** of the following:

(i) जयदेव (Jayadeva)
(ii) अमरुशतक (Amrushatak)
(iii) भर्तृहरि (Bhartrihari)
(iv) विल्हण (Bilhana)